साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 209 | जौनपुर, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को मिलेगी मामलों की जानकारी – डी वाई चंद्रचूड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को वाद सूची और मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने से संबंधित जानकारी साझा करना शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं से उत्पन्न एक जटिल कानूनी सवाल पर सुनवाई शुरू करने से पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह घोषणा की। याचिकाओं से यह सवाल निकलकर सामने आया कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत समुदाय के भौतिक संसाधन माना जा सकता है, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) का एक हिस्सा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 75वें वर्ष में उच्चतम न्यायालय ने एक पहल की है, जिसमें न्यायालय की आईटी सेवाओं के साथ व्हाट्स ऐप संदेशों को एकीकृत कर न्याय तक पहुंच को और मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अब अधिवक्ताओं को मुकदमा दाखिल करने के बारे में ऑटोमेटेड संदेश प्राप्त होंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि वाद सूची के प्रकाशित होने के बाद बार सदस्यों को उनके मोबाइल फोन पर सूची प्राप्त होगी। वाद सूची का मतलब एक तय तिथि पर अदालत द्वारा मुकदमे पर होनी वाली सुनवाई।

कल्पना सोरेन विधानसभा चुनाव लडेंगी

रांची, एजेंसी। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ेंगी, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) पार्टी ने इसकी घोषणा की। झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए बीजेपी ने दिलीप कुमार वर्मा को मैदान में उतारा है। गिरिडीह जिले की सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव राज्य में संसदीय चुनाव के साथ 20 मई को होना है। एमटेक और एमबीए दोनों योग्यता रखने वाली गृहिणी कल्पना ने अपनी स्कूली शिक्षा ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित बारीपदा में की। उन्होंने भुवनेश्वर में स्थित विभिन्न संस्थानों से इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री प्राप्त की। कल्पना सोरेन ने 4 मार्च को गिरिडीह जिले में झामुमो के 51वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद से विरोधियों द्वारा एक साजिश रची गई थी। और कहा कि उनके पति को जेल में डालने वाली ताकतों को झारखंड मुंहतोड़ जवाब देगा।

यह चुनाव आपका एक–एक वोट सशक्त भारत के संकल्प को मजबूती देने की गारंटी – पीएम मोदी

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश शाहजहांपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि ये चुनाव सिर्फ सांसद बनाने और सरकार बनाने भर का नहीं है। ये चुनाव... आपका एक–एक वोट सशक्त भारत के संकल्प को मजबूती देने की गारंटी है और ये मोदी की गारंटी से भी ज्यादा आपके वोट की गारंटी है। इस बार आपका वोट... देश विरोधी मानसिकता वाले लोगों को एक बहुत कड़ा संदेश देने वाला है। उन्होंने कहा कि जब यहां योगी जी की सरकार आई तो सपा के काल में ठप्प पड़ी सभी योजनाएं और विकास की गाड़ी तेजी से दौड़ना शुरू हुई। पहले जहां सड़कें सलामत नहीं थीं... अब वहां एक्सप्रेस–वे गुजर रहे हैं। राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि दो लड़कों की जोड़ी... जो कई बार फ्लॉप हो चुकी है, आप उनसे विकास की कोई उम्मीद नहीं कर सकते हैं। हमारी सरकार के लिए युवा, गरीब, किसान और नारीशक्ति... ये पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमने 4 करोड़ गरीबों को पीएम आवास के तहत घर दिए हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाओं के नाम पर बनवाए गए हैं। यही नहीं, हम 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी अपने काम का, देश के विकास का लेखा–जोखा देकर आपसे आशीर्वाद मांगता है, वोट मांगता है। लेकिन आपने कभी सपा–कांग्रेस को अपने कार्यकाल का हिसाब देते देखा है क्या? नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले लखनऊ–कानपुर आए दिन आतंकी हमले होते थे, बम धमाके होते थे। इसके सिवा सपा–कांग्रेस वाले कुछ बता भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्होंने ऐसा कुछ काम किया ही नहीं, जिसका वो रिपोर्ट दे सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता आतंकियों के मरने पर आंसू बहा रही थीं। ऐसे लोग आपको मंजूर हैं क्या? यही नहीं, सपा वाले तो ऐसे थे कि जो आतंकी जेल में थे उनको जेल से रिहा करवाने के लिए भांति–भांति के कानूनी रास्ते खोज रहे थे। क्या ऐसे लोगों के हाथ में आपका भविष्य सुरक्षित है? और आज भी ये सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की पहचान रही है– इनको जब भी

बड़ा कुकृत्य करना होता है तो ये देश और संविधान के नाम पर हो–हल्ला करना शुरू कर देते हैं। 70 के दशक में ऐसे ही नारे लगाकर कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया था, देश को जेलखाना बना दिया था, अखबारों पर ताले लगा दिए थे, देश के लाखों लोकतंत्र प्रेमियों को सलाखों के पीछे बंद कर दिए थे। उन्होंने कहा कि एक बार फिर कांग्रेस ने अपनी फ्लॉप फिल्म रिलीज की है। कांग्रेस की इस फिल्म में दो डायलॉग हैं– पहला– मोदी जीत जाएगा तो तानाशाही आ जाएगी।

दूसरा– मोदी जीत जाएगा तो आरक्षण चला जाएगा... ये ऐसा ही झूठ चलाते रहते हैं। लेकिन जैसे ही इस फिल्म का ट्रेलर उनके घोषणा पत्र में दिखाई दिया, लोगों ने पढ़कर निकाला तो कांग्रेस का असली चेहरा, उनका हिडेन एजेंडा देश को पता चल गया। अब इनकी एक–एक कर सारी सच्चाई देश के सामने आने लगी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस, दलितों का, पिछड़ों का, आदिवासियों का हक छीनने का षड्यंत्र लंबे समय से कर रही है। 2011 में कांग्रेस की केंद्र सरकार धर्म के नाम पर आरक्षण देने का एक note कैबिनेट में लेकर आई थी। उन्होंने कहा कि इस कैबिनेट दवजम में कहा गया था कि ओबीसी समाज को जो 27: आरक्षण मिलता है,

उसका एक हिस्सा काटकर, मजहब के नाम पर दिया जाएगा। कांग्रेस का इरादा है कि ओबीसी का आरक्षण छीन कर उनके खास पसंद वालों को दिया जाएगा। मैं गरीब का बेटा हूं... हर गरीब का दर्द समझता हूं। इसलिए भाजपा को जब आपने सेवा करने का मौका दिया तो मैंने जो सामान्य वर्ग के लोग हैं, उनमें जो गरीब हैं उनकी भी चिंता की और 10 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया।

अखिलेश ने परिवार की मौजूदगी में कन्नौज से किया नामांकन

कन्नौज, संवाददाता। शुक्रवार को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। सपा प्रमुख, (जिन्होंने 2000 और बाद में 2004 और 2009 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था) ने राम गोपाल यादव सहित पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। पत्रकारों से बातचीत

में रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, भाजपा उम्मीदवार इस सीट पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि राजनीतिक अपडेट समाजवादी पार्टी द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी, नेताओं, कार्य कर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं यहां से समाजवादी पार्टी की तरफ से चुनाव लडूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। ममुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि विकास जान बूझकर भाजपा सरकार ने रोका क्योंकि इसकी शुरुआत समाज वादी ने की थी।

न्याय पत्र का उद्देश्य सभी जातियों और समुदायों के लोगों को समान न्याय प्रदान करना - खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सबसे पुरानी पार्टी के न्याय पत्र को समझाने के लिए उनका समय मांगा। कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते हुए, खड़गे ने कहा कि न्याय पत्र का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जातियों और समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है। खड़गे ने लिखा कि आपके सलाह कार आपको उन चीजों के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं जो हमारे घोषणापत्र में भी नहीं लिखी गई हैं। मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे न्याय पत्र के बारे में समझाने में बहुत खुशी होगी ताकि देश के प्रधान मंत्री के रूप में आप कोई भी गलत बयान न दें। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना, सांप्रदायिक विभाजन

पैदा करना आपकी आदत बन गई है। मोदी के हालिया भाषणों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह श्प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा से न तो हैरान हैं और न ही हैरान हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि चुनाव के पहले चरण में बीजेपी का निराशाजनक प्रदर्शन देखने के बाद आप और आपकी पार्टी के अन्य नेता इस तरह की बातें करना शुरू करेंगे। कांग्रेस वंचित गरीबों और उनके अधिकारों की बात करती रही है। हम जानते हैं कि आपको और आपकी सरकार को गरीबों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है। प्रधान मंत्री पर अपना हमला जारी रखते हुए, खड़गे ने कहा, आपकी सूट –बूट की सरकार उन कॉरपोरेट्स के लिए काम करती है जिनके करों को आपने कम कर दिया है जबकि वेतनभोगी वर्ग उच्च करों का भुगतान करता है। गरीब भोजन और नमक पर भी जीएसटी का भुगतान करते हैं और अमीर कॉरपोरेट दावा करते हैं जीएसटी रिफंड। इसीलिए, जब हम अमीर और गरीब के बीच असमानता की बात करते हैं।

मोदी, आरएसएस, संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने की कर रहे हैं कोशिश - राहुल

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, इंडिया गठबंधन लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कर रहा है। श्री राहुल ने महाराष्ट्र के अमरावती और सोलापुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। देश के इतिहास में पहली बार कोई राजनीतिक दल संविधान पर हमला कर उसे खत्म करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा के एक सांसद सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि भाजपा के सत्ता में लौटने पर संविधान बदल दिया जाएगा। हालांकि, कोई भी ताकत संविधान को नहीं बदल सकती। संवि धान एक किताब नहीं बल्कि गरीबों, आदिवासियों, दलितों और आम नागरिकों के अधिकारों का दस्तावेज है।ष उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन किसी को भी संविधान बदलने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने 10 साल में किसानों का कर्ज माफ नहीं किया है, लेकिन जैसे ही इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा, किसानों का कर्ज माफ करने का फैसला लिया जाएगा। श्री राहुल ने कहा कि इसके लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा और यह आयोग सिफारिश करेगा कि किसानों का कर्ज एक बार या कई बार माफ किया जाए। उन्होंने कहा, देश में पैसे की कोई कमी नहीं है, अरबपतियों का कर्ज माफ किया जा सकता है, तो किसानों का कर्ज भी माफ किया

जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार जनता से वस्तु सेवा कर (जीएसटी) वसूल रही है और पैसा मुट्ठी भर उद्योगपतियों की जेब में डाल रही है। श्री राहुल ने आरोप लगाया, ष्मोदी अरबपतियों के नेता हैं, गरीबों के नेता नहीं। श्री मोदी को सत्ता खोने का डर है और जब श्री मोदी डर जाते हैं तो झूठ बोलना शुरू कर देते हैं।

अमित शाह ओडिशा में बीजेपी के प्रचार अभियान की करेंगे शुरुआत

भुवनेश्वर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोनपुर से ओडिशा में भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत करने के लिए राज्य का दौरा करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा कि शाह पश्चिमी ओडिशा के सोनपुर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे जो बोलांगीर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाह दोपहर करीब 3.45 बजे हैदराबाद से झारसुगुड़ा के वीर सुरेंद्र साई हवाई अड्डे पहुंचेंगे और हेलीकॉप्टर से सोनपुर जाएंगे। शाह का शाम 4.35 बजे रामेश्वरम स्टेडियम में रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष गोलक महापात्र ने कहा कि गृह मंत्री की जनसभा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शाह पश्चिमी ओडिशा से भाजपा के प्रचार अभियान का आगाज करेंगे, क्योंकि साल 2019 के आम चुनाव में इस क्षेत्र में पार्टी का

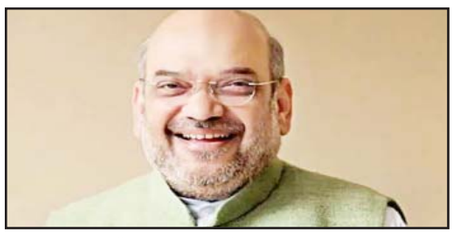

प्रदर्शन अच्छा रहा था। भाजपा ने 2019 में संबलपुर, बारगढ़, बोलांगीर, कालाहांडी और सुंदरगढ़ लोकसभा सीट पर विजय हासिल की थी और ये सभी सीट पश्चिम ओडिशा में आती हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी बोलांगीर संसदीय क्षेत्र के कांटाबांजी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। सोनपुर में जनसभा के बाद, गृह मंत्री झारसुगुड़ा के रास्ते भुवनेश्वर जाएंगे और राज्य की राजधानी में रात को ठहरेंगे। सामल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के भी पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार के लिए राज्य का दौरा करने की संभावना है। ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव भी हो रहे हैं। राज्य में चार चरणों में 13 मई से चुनाव होंगे।

धीरे–धीरे कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा – राजनाथ सिंह

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जिस तरह से कांग्रेस चल रही है, धीरे–धीरे कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। सिंह ने खीरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अजय कुमार मिश्रा और धौरहरा से पार्टी प्रत्याशी रेखा वर्मा के समर्थन में लखीमपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने कहा, वे दिन करीब आ गए हैं

जब ये पार्टियां अतीत की बात हो जाएंगी। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस जिस तरह चल रही है, एक दिन वह डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी। सिंह ने भारत में विरासत कर को लेकर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की हालिया टिप्पणी की याद दिलाते हुए लोगों को आगाह किया और कहा कि कोई भी भारतीय परिवार अपने मुखिया की मृत्यु के बाद अपनी संपत्ति का 55 प्रतिशत हिस्सा नहीं छोड़ सकता।

अपने आधे घंटे से अधिक लंबे संबोधन में रक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत रक्षा, आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विकास के मामले में किस तरह से आगे बढ़ा है। रामलला अब कुटिया से अपने शाही महल में चले गए हैं।

सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आप के लोकसभा चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव से पहले सुनीता केजरीवाल के दिल्ली में रोड शो करने की घोषणा की है। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आम आदमी पार्टी के प्रचार अभियान में शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि उनकी उपस्थिति से केजरीवाल की अनुपस्थिति में पार्टी के प्रचार को बढ़ावा मिलेगा। जिसमें पार्टी के एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, सुनीता केजरीवाल धीरे–धीरे एक बड़ी भूमिका निभा रही हैं, जिससे आप के प्रचार अभियान को गति मिलने की उम्मीद है, जो कि उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी से प्रभावित हुआ है। केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी गई है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा, मुख्यमंत्री की पत्नी आने वाले सप्ताहांत में कोंडली सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में अपने पहले रोड शो में शामिल होने वाली हैं, जिसका प्रतिनिधित्व कुलदीप कुमार करते हैं, जो आप के पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट के उम्मीदवार हैं। सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आप द्वारा लड़ी जा रही तीन अन्य लोकसभा सीटों पर भी रोड शो में शामिल होंगी। दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही आप ने पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली और चांदनी चौक सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सुनीता गुजरात और पंजाब में आप उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार करेंगी। उनका नाम गुजरात के लिए पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है। 22 साल तक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) की पूर्व अधिकारी रहीं सुनीता केजरीवाल, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद धीरे–धीरे प्रमुखता में आईं।

संपादकीय

भारतीय लोकतंत्र

इस सप्ताह की शुरुआत में, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष, सैम पित्रोदा, जो अब संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित हैं, भारतीय राजनीति और आम चुनाव पर पश्चिमी मीडिया में हालिया सुर्खियों की एक लंबी सूची संकलित करने के लिए सोशल मीडिया पर गए। जैसा कि अनुमान था, लगभग सभी सुर्खियों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को खराब छवि में दिखाया गया, उन पर सत्तावाद और अलोकतांत्रिक आचरण का आरोप लगाया गया। इनमें भारत– केवल नाम का लोकतंत्र? (ले मोंडे), अमेरिका को जी20 में मोदी के निरंकुश और अनुदार भारत को सामान्य नहीं बनाना चाहिए (द गार्जियन) और क्या मोदी ने भारतीय लोकतंत्र को उसके टूटने के बिंदु से आगे धकेल दिया है? (न्यू यॉर्क वाला)। उस व्यक्ति के लिए जो अपनी विदेशी यात्राओं पर राहुल गांधी की भूमिका निभाता है, पश्चिमी मीडिया कवरेज का अर्थ यह प्रतीत होता है कि मोदी अपनी बात खो चुके हैं और वैश्विक रूप से अछूत माने जाने के कगार पर हैं। आम चुनाव के मद्देनजर भारतीय राजनीति की उदार कवरेज का एक यादृच्छिक नमूना उजागर करने लायक है। एक निबंध, मोदीज टेम्पल ऑफ लाइज में, अमेरिका स्थित साधारण उपन्यासकार, सिद्धार्थ देब ने लिखा श्री मोदी और उनकी पार्टी भारत को वह हिंदू स्वप्नलोक दे रहे हैं जिसका उन्होंने वादा किया था, और दिन की स्पष्ट रोशनी में, यह काफी है एक चमकदार, भड़कीले मंदिर से कुछ अधिक, जो बहुसंख्यकवादी हिंसा का एक स्मारक है, जो पानी से भरी सड़कों, क्षीण मवेशियों और हर तरह से गरीब लोगों से घिरा हुआ है।श्ए देब, जो आखिरी बार 2021 में अयोध्या में थे, इस बात से नाराज थे कि मंदिर शहर में कोई होटल बार नहीं था – जो हिंदू गुण का प्रतीक है – और परोसा जाने वाला भोजन शुद्ध शाकाहारी था, यह वाक्यांश हिंदू जाति की शुद्धता और मुस्लिम विरोधी पूर्वाग्रह दोनों को दर्शाता है। हो सकता है कि देब की आत्म–घृणा और महानगरीय अहंकार में डूब जाने की अत्यधिक प्रवृत्ति कैथरीन मेयो–शैली की पत्रकारिता का एक चरम उदाहरण है जो पश्चिमी उदारवाद के राजनीतिक एजेंडे में सहजता से फिट बैठती है। लेकिन इस तरह की स्वच्छता निरीक्षक की रिपोर्ट – महात्मा गांधी की उन रचनाओं का विवरण, जो चोट पहुंचाने और अपमान करने के लिए बनाई गई हैं – दिन का क्रम बन गई हैं। बहुत अधिक संयमित भाषा में, इस महीने चौथम हाउस की एक रिपोर्ट में सुरक्षा सेवाओं, कर अधिकारियों और मीडिया सहित सत्ता के प्रमुख लीवरों को नियंत्रित करके गुप्त रूप से अधि नायकवाद के आरोपों पर प्रकाश डाला गया है। मोदी सरकार को चेतावनी दी गई है कि जब तक लोकतांत्रिक पीछे हटने की जाँच नहीं की जाती और उसे उलटा नहीं किया जाता, तब तक मोदी सरकार और लोकतांत्रिक पश्चिम के बीच सौहार्द्र अतीत की बात बनकर रह जाएगा। यह विश्वास कि बौद्धिक पूंजी के केंद्रों में तीव्र आक्रोश श्मूलश राय को प्रभावित करेगा और हिंदू राष्ट्रवादियों को अवैध बना देगा, लंबे समय से सार्वजनिक जीवन का एक पहलू रहा है। 1992 में विवादित बाबरी मंदिर को ध्वस्त किए जाने के बाद, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कई पश्चिमी विश्वविद्यालयों में धर्मनिरपेक्ष शिक्षाविदों की यात्राओं को नियंत्रित किया। भगवा फासीवादियों की स्पष्ट रूप से हानिकारक विचारधारा का विश्लेषण करने के अलावा, वे यह सुझाव देने में भी पीछे नहीं रहे कि केवल कांग्रेस (और, शायद, वामपंथी) ही भारत के रास्ते में त्रिशूल लहराने वाले अश्लीलतावादियों से घिरने के रास्ते में खड़ी थी। लगभग 10 साल पहले, 10 अप्रैल 2014 को, जब भारतीय आम चुनाव में मतदान कर रहे थे, सलमान रुश्दी, हार्वर्ड के प्रोफेसर, होमी के. भाभा, कलाकार सर अनीश कपूर और अन्य सहित भारत–प्रेमियों के एक समूह ने प्रकाशित किया। द गार्डियन में एक संयुक्त पत्र, जिसमें मोदी पर नैतिक चरित्र और राजनीतिक नैतिकता की विफलता का आरोप लगाया गया है। उन्होंने तर्क दिया, यदि उन्हें प्रधान मंत्री चुना जाता, तो यह एक ऐसे देश के रूप में भारत के भविष्य के लिए बुरा संकेत होगा जो अपने सभी लोगों और समुदायों के लिए समावेश और सुरक्षा के आदर्शों को संजोता है। प्रतिष्ठित लोग, जिनमें से अधिकांश भारतीय नागरिक नहीं थे, जानते थे कि कांग्रेस को नीचा दिखाने के लिए उसे कोसने और कोसने के अलावा वे बहुत कम कर सकते थे। लेकिन द इकोनॉमिस्ट ने नहीं सोचा था कि भारतीय अपने राजनीतिक भविष्य का निर्धारण कैसे करते हैं, इसमें उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। यह भूलकर कि भारतीय अपनी घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करते हैं, इसने सुझाव दिया कि मतदाता राहुल गांधी का समर्थन करें, भले ही अनिच्छा से। लेकिन हमें इसे कम परेशान करने वाले विकल्प के रूप में भारतीयों को अनुशंसित करना होगा। भारतीय जनता पार्टी की जीत की स्थिति में, उसके गठबंधन सहयोगियों को श्री मोदी के अलावा किसी अन्य प्रधान मंत्री के लिए प्रयास करना चाहिए। भाजपा में जिसे 220 क्लब कहा जाता था, उसके द्वारा किया गया तख्तापलट कभी सफल नहीं हुआ क्योंकि मतदाताओं ने 2014 और 2019 दोनों चुनावों में मोदी को जोरदार बहुमत दिया। हालाँकि, भारतीय मतदाताओं को यह बताने का प्रलोभन कि उनकी भलाई के लिए क्या अच्छा है, ने पश्चिमी एजेंडे को कभी नहीं छोड़ा है। अटके हुए ग्रामोफोन रिकॉर्ड की तरह, 2014 का उपेक्षित थीम गीत फिर से दोहराया जा रहा है। यह नेक इरादे वाले पत्रकारों के खिलाफ लगाया गया कोई बेतुका, षडयंत्रकारी आरोप नहीं है।

कर्नाटक में फंड बनाम आस्था की लड़ाई शुरू

आदित्य

कर्नाटक में 26 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के साथ, कांग्रेस और भाजपा –जनता दल (सेक्युलर) गठ बंधन

राज्य की 28 सीटों में से अधिकांश जीतने के लिए दृढ़ प्रयास कर रहे हैं। यदि कांग्रेस पिछले साल के विधानसभा चुनावों की तरह एजेंडा तय करने में आगे बढ़ रही थी, तो भाजपा– जद (एस) की टीम ने पिछले 10 दिनों में पकड़ बना ली है और सबसे पुरानी पार्टी को अपने वोटों के लिए चुनौती दे रही है। हाल तक, भाजपा 2019 के लोकसभा चुनावों में शायद ही उतनी मजबूत इकाई दिख रही थी। लेकिन नरेंद्र मोदी और एचडी देवेगौड़ा के संयुक्त नेतृत्व में हुई कुछ सार्वजनिक बैठकों ने भाजपा– जेडीएस अभियान में जोश भर दिया है। इसके अलावा, हाल की कुछ सांप्रदायिक घटनाओं से ठीक से निपटने में कांग्रेस सरकार की लगभग विफलता ने सत्तारूढ़ पार्टी को बैकफुट पर ला दिया है। घटनाओं की इस श्रृंखला में नवीनतम धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के गढ़ हुबली में एक लिंगायत लड़की की हत्या थी। भाजपा गुस्से में है और उसने 22 अप्रैल को राज्यव्यापी बंद का आयोजन किया। हत्या के तुरंत बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा दिए गए बयान, जो आरोपियों का बचाव करते दिख रहे थे, उनकी पार्टी के लिए कोई मदद नहीं कर रहे थे। बल्कि, उन्होंने उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में पार्टी को नुकसान पहुंचाया होगा, जहां भाजपा का समर्थन आधार लिंगायत पर्याप्त संख्या में मौजूद हैं। सीट आवंटन के बाद लगभग हर दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विद्रोह का सामना करने के बाद भाजपा अब युद्ध के लिए तैयार दिख रही हैय पार्टी अधिकांश सीटों पर विद्रोहियों को मनाने में कामयाब रही। हालाँकि, एक मुद्दा जिसे कांग्रेस ने चुनाव की शुरुआत में उठाया था – वह है केंद्र पर कर्नाटक के प्रति अन्याय और सौतेला रवैया का आरोप लगाना – अटक गया है। वित्त पर रस्साकशी ने संघीय ढांचे में बिगड़ते केंद्र–राज्य संबंधों के नतीजों पर ध्यान केंद्रित किया है। सिद्धारमैया ने फरवरी में दिल्ली में सूखा राहत और अन्य धनराशि जारी करने की मांग करते हुए एक पार्टी प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें अत्यधिक देरी हुई थी। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गृह मंत्री अमित शाह पर राज्य की जनता से झूठ बोलने का आरोप लगाया. आक्रामक सिद्धारमैया कर्नाटक को धन के आवंटन पर भाजपा शासित केंद्र को श्खलनायकश के रूप में चित्रित करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। सीतारमण अपने मामले की पैरवी के लिए दूसरे दिन बेंगलुरु पहुंचीं। केंद्र का बचाव करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि राज्य के सूखा राहत ज्ञापन पर निर्णय लेने में देरी हुई। उन्होंने राज्य पर और भी दुख बरसाए क्योंकि उन्होंने कहा कि केंद्र ने 28 मार्च को चुनाव आयोग से धन के वितरण के संबंध में संपर्क किया था, क्योंकि आदर्श आचार संहिता पहले से ही लागू थी, जिससे संकेत मिलता है कि राज्य को धन मिलने में और देरी होगी। . विडंबना यह है कि जहां वित्त मंत्री ने केंद्र की ओर से देरी की बात स्वीकार की, वहीं अमित शाह ने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान राज्य सरकार पर दोष मढ़ दिया क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य द्वारा ज्ञापन सौंपने में देरी हुई थी। केंद्र और राज्य के बीच अन्यथा गंभीर वाकयुद्ध कुछ दिलचस्प अंतर्संबंधों के बिना नहीं था। एक नागरिक समाज निकाय, जागृत कर्नाटक ने हस्तांतरण पर एक बहस का आयोजन किया और सीतारमण और एक राज्य सरकार के प्रतिनिधि दोनों को आमंत्रित किया। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया लेकिन सीतारमण, जो उस दिन बेंगलुरु में थीं, नहीं आईं। बहस खत्म होने तक उनके लिए रखी गई कुर्सी खाली रही. जैसे ही अन्याय का सिलसिला जारी रहा, कांग्रेस ने केंद्र के खिलाफ श्हमारा कर, हमारा अधिकारश अभियान शुरू किया। कर्नाटक को 2023 में भीषण सूखे का सामना करना पड़ा। राज्य के 236 तालुकों में से, राज्य सरकार ने 223 को सूखा प्रभावित घोषित किया, जिनमें 196 गंभीर रूप से प्रभावित थे। जैसा कि सूखा राहत पर राजनीति का मुद्दा गरमाया हुआ था, सिद्धारमैया ने राज्य द्वारा तीन महीने की देरी के शाह के दावे के बाद पलटवार करते हुए कहा कि कर्नाटक ने 31 अक्टूबर की समय सीमा से एक महीने से अधिक समय पहले सूखे की घोषणा की थी।

गर्मियों की छुट्टियां और भूले–बिसरे दिन

नाज परवीन

एक समय था जब गर्मियों की छुट्टियों का नाम सुनते ही गांव की खुली हवा, दादी–नानी का आंगन नीम की छांव में चहलकदमी करते बच्चें, पेड़ों में डले झूलें, परंपरागत खेल याद आने लगते थे। गर्मियां आने से पहले ही दादी–नानी, बुआ–मौसी के घरों में गर्मियों की छुट्टियों की तैयारियां शुरू हो जाया करती थी, जिनका आनंद सुहाना लगता था। दरअसल, यह एक ऐसा अवसर होता था जब परिवार के सभी भाई–बहनों का जमावड़ा एक साथ एक जगह एक ही समय पर होता था। घर का माहौल शादी–ब्याह के समारोह जैसा लगने लगता था। बच्चे भी स्कूल और पढ़ाई के तनाव से कुछ पल के लिए छूट जाते थे और प्रकृति की गोद में हस्ते खिलखिलाते थे। हालांकि स्कूल के द्वारा गृहकार्य या होमवर्क बराबर मिलता था लेकिन वह भी विशेषकर इमला–राइटिंग या निबंध–पहाड़े लेखन आदि से आगे कम ही होता था।

यह एक ऐसा समय होता था जब छुट्टियों का अलग ही आनन्द होता था। जब माता–पिता बड़े–बूढ़ों के दबाव में स्कूल की छुट्टियों का काम करने का दबाव न बना पाते थे और बच्चे प्रतिदिन के जकड़न भरे नियमों से दूर हो लेते थे, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने में काम आते थे साथ ही उनकी यादों के कैलेण्डर में एक खूबसूरत सा अध्याय जुड़ जाता था जिसे वो अपनी स्मृति में संजो लेते थे। आज भी ऐसे अनगिनत किस्से हमारी यादों के पिटारे में मौजूद हैं जिनमें हमने बंधन मुक्त मौज–मस्ती से भरी छुट्टियों का आनन्द लिया था। लेकिन अब ज्यादातर मामलों में ऐसा देखने को नहीं मिलता। आज की गर्मियों की छुट्टियां पहले से विकसित हो गई हैं। आज भी गर्मियां आते ही बच्चों को जिस बात का सबसे ज्यादा इंतजार रहता है, वो है स्कूलों की छुट्टियां। बच्चों के लिए यह किसी जश्न से कम नहीं होता। लेकिन अब हम पहले जैसी छुट्टियों की स्वतंत्रता को खोते जा रहे हैं। अब हम ज्यादा विकसित और समझदार छुट्टियां गुजारने लगे हैं, जिससे बच्चों पर दबाव कम होने की बजाय उन पर अनचाहा दबाव बनाते जा रहे हैं। जिससे बच्चा एक स्कूल से निकल दूसरे स्कूल के चक्कर में फंसता जा रहा है। शहरी संस्कृति के समर कैंप, एक्स्ट्रा क्लासेस, दुनियाभर की एक्विटीज के जाल से बच्चे अपनी छुट्टियों की आजादी को एन्जॉय ही नहीं कर पा रहे हैं। वे अब परंपरागत् खेलों से अनजान होते दिखाई दे रहे हैं गिल्ली–डंडा, खो–खो, कोड़ा मार, लुका–छुप्पी, गुटटे, गिप्पा आदि अनेक खेलों का जन्म इन्हीं गर्मियों की छुट्टियों की देन है, जिन्हें आज की पीढ़ी नहीं जानती। आज की पीढ़ी इन्हें मोबाइल गेमों में तलाश रही है। जिन खेलों का जन्म ही शारीरिक विकास के लिए किया गया होगा उन्हें ऑन स्क्रीन गेम की तरह एंजॉय करना विकसित छुटिटयों की देन है। बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां ऐसी होनी चाहिए जहां सालभर की भागम–भाग से इतर, स्कूल की आपा–धापी न हो, न ही सुबह की गहरी नींद से उठने का कोई नियम बनाया जाए और उन्हें ऑनस्क्रीन खेलों में माहिर नहीं बल्कि नए–नए खेलों के स्वतंत्र रचनाकार बनाया जा सके। कोई दबाव और पाबंदी न हो। आज के दौर में जहां ज्यादातर घरों में माता–पिता दोनों ही कामकाजी हैं, वहां कुछ समय निकालकर बच्चों की छुट्टियों को यादगार बनाने का प्रयास किया जा सकता है। यह परिवार के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक कदम हो सकता है। हालांकि गर्मियों की छुट्टियां घर में थोड़ा काम बढ़ाने वाली हो सकती हैं लेकिन यह सही समय होता है जब हम अपने बच्चों को कई रचनात्मक कार्यो को करना सिखा सकते हैं, साथ ही उनकी कल्पना शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। अनावश्यक रूप से उन पर एक्स्ट्रा क्लासेज का दबाव उन्हें काम के दबाव से निपटने का रास्ता निकालने नहीं देता। हम बच्चों को इस समय आउटडोर गेम की महत्ता समझा सकते हैं, जरूरतमंदों की मदद करना सिखा सकते हैं, नए स्थानों की खोज की जिज्ञासा उत्पन्न कर सकते हैं। परिवार के साथ अलग–अलग तरह के खेलों को मिलकर खेलना सिखा सकते हैं, घर पर विज्ञान और मनोरंजन के महत्व को समझा सकते हैं, उन्हें अच्छे प्लानर बनने में मदद कर सकते हैं। उनकी गर्मियों की छुट्टियों की रूपरेखा उन्हीं के अनुसार बनाकर पढ़ाई और खेल–कूद में बराबर का ताल–मेल बैठा सकते हैं। गर्मियों की छुट्टियां आज के दौर के बच्चों के लिए पहले से भी ज्यादा खास हो जाती हैं। यदि हम कुछ विशेष बातों का ख्याल रखें तो हम अपने बच्चों की छुट्टियों को न केवल खास बना सकते हैं बल्कि उन्हें अनेक नई बातों को सीखने–समझाने का माध्यम भी बन सकते हैं। उन्हें तनाव मुक्त भी रख सकते हैं ताकि वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों को पूरा इंजॉय कर सके, जिससे वे अपने आपको पूरी ऊर्जा के साथ आने वाले नए सत्र के लिए तैयार कर सकें।

इंडिया, यानी भारत राज्यों का एक संघ

विनोद

नायकरा वीरेशा द्वारा भारत में चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के साथ 18वें आम चुनाव चल रहे हैं। इस चुनाव ने संविधान को दो राष्ट्रीय दलों के बीच चुनावी मुद्दों में से एक के रूप में सामने ला दिया है। इस समय, उन समसामयिक घटनाक्रमों पर आलोचनात्मक नजर डालना जरूरी है, जिन्होंने संविधान को जर्गेन हेबरमास के श्वैध संकटश के चरण में धकेल दिया है। जर्मन दार्शनिक और सामाजिक सिद्धांतकार ने संकट के चार प्रमेयों की संकल्पना की – आर्थिक, तर्कसंगतता, वैधता और प्रेरणा। बेशक, हेबरमास ने इन स्थितियों को केवल संकट नहीं बल्कि संकट की प्रवृत्ति कहना पसंद किया। वैध संकट की भविष्यवाणी केवल तभी की जा सकती है जब अपेक्षाएं जो या तो मूल्य की उपलब्धा मात्रा के साथ या आम तौर पर, सिस्टम के अनुरूप पुरस्कारों के साथ पूरी नहीं की जा सकतीं, व्यवस्थित रूप से उत्पन्न की जाती हैं६। इसे भारत के संविधान के संदर्भ में देखें, तो इसके व्यक्तिगत अधिकारों और समाज के सामूहिक कल्याण के प्रावधान उसी द्वारा निर्धारित अपेक्षाएं और आकांक्षाएं हैं। व्यक्तिगत अधिकार एक सामूहिक राजनीतिक व्यवस्था के रूप में संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य की बंधुता, समानता, स्वतंत्रता और न्याय के रूप में प्रस्तावना में निहित हैं। तर्कसंगतता संकट संविधान के अनुच्छेद 1 में कहा गया है कि इंडिया, यानी भारत राज्यों का एक संघ होगा। विपक्ष के नेतृत्व वाले राज्यों में जांच एजेंसियों के माध्यम से केंद्र सरकार की राजनीति ने राज्य की शासन करने की वैधता पर कब्जा कर लिया हैय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों के वित्तीय अधिकारों को लेकर केंद्र सरकार और कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के नेतृत्व वाले दक्षिणी राज्यों के बीच बढ़ती खींचतान है। करों की हिस्सेदारी और धन के वितरण के लिए उसके हस्तांतरण फार्मूले में राज्यों के लोकतांत्रिक अधिकारों से इनकार किया गया। कुछ राज्यों ने हस्तांतरण के लिए अपनाए गए मानदंड को अतार्किक पाया, जिससे श्तर्कसंगत संकटश के हेबरमास प्रमेय को बढ़ावा मिला। प्रासंगिक रूप से, तर्कसंगतता का संकट तब उत्पन्न होता है जब प्रशासनिक प्रणाली की तर्कसंगतता संविधान के अनुच्छेद 39 {सी} के अनुसार नहीं बल्कि कुछ व्यक्तिगत पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रणाली को संचालित करने से ध्वस्त हो जाती है। जम्मू और कश्मीर को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में अपग्रेड करनाय बाद में न्यायिक अनुमोदन, चंडीगढ़ के मेयर चुनाव प्रकरण, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023, प्रशासनिक तर्कसंगतता संकट के हिमशैल का टिप मात्र हैं और लोकतांत्रिक पर इसका गहरा प्रभाव है। शासन. सांस्कृतिक परंपरा में प्रशासनिक हस्तक्षेप की व्यवस्थित सीमाएँ और अनपेक्षित दुष्प्रभाव वैधीकरण संकट के मुख्य पहलू हैं। सीईसी और ईसी की नियुक्ति का अधिनियम प्रभावी रूप से व्यवस्थित सीमाओं को हटा देता है जिससे चयन की प्रक्रिया गैर–पारदर्शी और गैर–जिम्मेदार हो जाती है। भारत के राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में प्रधान मंत्री द्वारा अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन समारोह ने राज्य को सूक्ष्म लेकिन ठोस तरीके से धर्म के क्षेत्र में शामिल कर लिया है, और वर्ग संरचना का प्रदर्शन किया है जो श्का मूल कारण है वैधीकरण घाटा. धर्म संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग हैय इस सांस्कृतिक क्षेत्र में राज्य के हस्तक्षेप का अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों ही दृष्टियों से राज्य की वैधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इस तरह की प्रथाएं नागरिकों और आधुनिक राज्य विशेषकर समाज के हाशिये पर मौजूद वर्गों के बीच विश्वास को बढ़ाती हैं। संक्षेप में, वैधीकरण संकट एक पहचान संकट है। असंतुलन की स्थिति संविधान की परिकल्पना के अनुसार लोक तांत्रिक शासन ढांचे के स्थान पर बहुसंख्यकवाद के कब्जे के कारण अब संविधान की पहचान खतरे में है। लोगों के सांस्कृतिक क्षेत्र में राज्य का ध्यान और निवेश शासन और विकास पर जोर देने के बजाय आधिपत्य और पहचान की राजनीति को दर्शाता है। राष्ट्रीय दलों द्वारा पहचान की राजनीति द्वारा स्थापित मिसाल के साथ लोगों और समुदायों के बीच भाईचारा असंतुलन की स्थिति में है। इससे धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों में अलगाव की भावना गहराती जा रही है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का दावा करने और उस पर जोर देने के लिए अधिक से अधिक अदालती मामले दायर किए जा रहे हैं। कोई भी राष्ट्र अन्य धर्मों का अनादर या विनाश करके नहीं पनपता, विशेष रूप से हमारे जैसे देश में जहां पूरे इतिहास और सभ्यता में कई धर्म एक साथ और सामंजस्यपूर्ण रहे हैं। धर्मों की विविधता पर नीरस धार्मिक वर्चस्व स्थापित करने और दिन–प्रतिदिन के जीवन में इसके सुंदर प्रदर्शन के लिए नाम, स्थान और ऐसी अन्य गतिविधियों को बदलकर इतिहास को फिर से लिखने के सत्तारूढ़ वितरण के प्रयासों ने देश में राज्य की वैधता को खत्म कर दिया है। अराजनीतिकरण वाले सार्वजनिक क्षेत्र को एक राजनीतिकीकृत सार्वजनिक मंच में परिवर्तित किया जा रहा है जिसमें धर्मनिरपेक्ष परंपरा और प्रथा के स्थान पर एक विशेष धार्मिक पहचान को महत्व दिया जाता है। प्रबुद्ध नागरिकता संवैधानिकता के संदर्भ में, सिद्धांत का विकास ओकेशवानंद भारती बनाम केरल राज्य फैसले (1973) के दौरान बुनियादी संरचना एक महत्वपूर्ण क्षण है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने बुनियादी संरचना सिद्धांत पर फिर से विचार करने का आह्वान किया। केशवानंद फैसले में प्रतिपादित कुछ बुनियादी या आवश्यक विशेषताएं इस महत्वपूर्ण समय में अवरुद्ध हैं। संविधान की सर्वोच्चता, संघीय और धर्मनिरपेक्ष चरित्र, सरकार का गणतांत्रिक और लोकतांत्रिक स्वरूप, शक्तियों का पृथक्करण और व्यक्ति की गरिमा गंभीर तनाव से गुजर रही है। संविधान के लिए खतरा वास्तव में इसकी बुनियादी संरचना की आवश्यक विशेषताओं का क्रमिक क्षरण है।

देश को संदेश देने में नाकाम रही विपक्ष की रांची रैली

अशोक

विपक्षी दलों की झारखंड की राजधानी रांची में हुई महारैली देश को कोई स्पष्ट संदेश नहीं दे सकी। हांलाकि इससे बड़ी उम्मीद थी। उम्मीद थीं कि राजनैतिक दल अपने चुनाव घोषणा पत्र अब तक प्रस्तुत कर चुके हैं। इस रैली में वे कॉमन मिनीमम कार्यक्रम जारी कर सकतें हैं किंतु ऐसा कुछ नही हुआ। हर बार की तरह सिर्फ भाषण तक ही सीमित रही रैली। झारखंड की राजधानी रांची में विपक्षी गठबंधन इंडिया ने श्उलगुलान न्याय महारैलीश का नाम दिया गया है। इस दौरान मंच में बड़े–बड़े दिग्गज नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही मंच पर दो खाली कुर्सियां रखी गईं। एक जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए और दूसरी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए। उनकी जगह केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने मंच साझा किया। भारी संख्या में लोग रैली में पहुंचे। रैली के दौरान भीड़ ने जेल का ताले टूटेंगे, हेमंत सोरेन छूटेंगे और झारखंड झुकेगा नहीं जैसे नारे लगाए। झारखंड की राजधानी का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास होने के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली में शामिल हुए। चिलचिलाती गर्मी के बीच सभी रैली के समर्थन जुटे रहे। श्उलगुलानश शब्द, जिसका अर्थ क्रांति है। इसे आदिवासियों के अधिकारों के लिए अंग्रेजों के खिलाफ बिरसा मुंडा की लड़ाई के दौरान गढ़ा गया था। हेमंत सोरेन को कथित भूमि धोखाधाड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। इसी केंद्रीय एजेंसी ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को शराब नीति घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और आप सुप्रीमो के लिए कुर्सियां खाली रखी गई थीं, लेकिन उनकी पत्नियां कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल मंच पर बैठी थीं। कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल का भाषण मुख्यतः अपने पतियों की गिरफ्तारी के विरोध में था। दोनों का दावा था कि उनके पतियों को केंद्र की मोदी सरकार ने गलत ढंग से गिरफ्तार कराया हुआ है। केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की आवाज दबा देना चाहती है। इसके लिए सबको एकजुट होना होगा। रैली में नेताओं का यह भी आरोप था कि केंद्र में भाजपा फिर लौटी तो देश से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। रैली में शामिल नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार झूठ बोलने, गारंटी के नाम पर लोगों को ठगने, लोकतंत्र को कमजोर करने और जुमलों के सहारे राजनीति करने के आरोप लगाए। नेताओं ने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री मोदी का हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा हवा में घूम रहा है। देश में पहले चरण के मतदान के ठीक अगले दिन आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले चरण के चुनाव में बीजेपी की हवा निकल गई है। उन्होंने कहा कि वे 400 पार की बात करते हैं लेकिन 180–190 सीटों से आगे नहीं जाने वाले। इसलिए, वोट देना जरूरी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, श्पहले चरण में ही उत्तर प्रदेश में इनकी हालत खघ्राब हो गई है और जब यूपी इन्हें हटा सकता है, तो आप क्यों नहीं। यह देश मोदी की नहीं, संविधान की गारंटी चाहता है।श्ए जबकि झारखंड में मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इस रैली को पूरी तरह फ्लॉप करार दिया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा, श्श्इनके मंच पर भ्रष्टाचार में शामिल नेताओं का जमावड़ा हुआ और ये भ्रष्टाचार उन्मूलन की बात करते हैं. यह हास्यास्पद है।श्ए प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा, "इनका दावा था कि रैली में पांच लाख लोग शामिल होंगे लेकिन आए बमुश्किल 10–15 हजार लोग। उनमें आपस में मारपीट हुई। ये लोग सिर्फ सत्ता में आने के लिए एक मंच पर आए थे। रैली में सिर्फ परिवारवादियों और भ्रष्टाचारियों की भागीदारी थी, इसलिए इसे सुपर फ्लॉप कहा जाना चाहिए।" हालांकि उलगुलान न्याय महारैली में लोगों की खासी भागीदारी देखी गई। झारखंड के सुदूर इलाकों से लोग बसों, गाड़ियों और ट्रेनों से रांची पहुंचे। ऐसे लोगों को लाने के विशेष इंतजाम किए गए थे। रैली स्थल पर लोगों की भीड़ देर शाम तक जमी रही। उलगुलान रैली में शामिल होने आई कार्यकर्ताओं की भीड़ में दो गुटों के बीच झड़प हो गयी। कुर्सियां भी तोड़ी गई। ये मारपीट, ये हुडदंग कोई अच्छा संदेश नही दे सकें। उलगुलान रैली में शिबू सोरेन, बसंत सोरेन, कल्पना सोरेन, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव, बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान, आप सांसद संजय सिंह, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

शामिल हुए। रैली में शामिल नहीं हुए राहुल गांधी। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तबीयत अचानक खराब हो गई है। इस वजह से वे रैली में शामिल नहीं हुए। सात चरणों में पूरे होने वाले लोकसभा चुनाव का पहला चरण पूरा हो गया। मतदाताओं ने प्रत्याशियों निर्णय इवीएम को सौंप दिया। दूसर चरण का मतदान 26 अप्रैल को होना है। इतना सब होने पर भी विपक्षी 28 दलों का गठबंधन अब तक न कोई अपना कॉमन प्रोग्राम प्रस्तुत कर सका। न नहीं सभी दलों द्वारा सर्व सम्मत नेता ही चुना गया।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था ज्ञान तथा विज्ञान की आधारशिला पर केन्द्रित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ0प्र0 द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2024 को विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस के रूप में मनाया गया। विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन द्वारा विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस का शुभारम्भ सन् 2000 में किया गया था। इस कार्यक्रम का प्रारम्भ WIPO द्वारा

बौद्धिक सम्पदा से सम्बन्धित जागरूकता उत्पन्न करने, रचनात्मकता, कलात्मकता तथा नवअन्वेषण को प्रोत्साहन दिये जाने हेतु आयोजित किया जाता है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था ज्ञान तथा विज्ञान की आधारशिला पर केन्द्रित है तथा नवअन्वेषण से उत्पन्न होने वाली बौद्धिक सम्पदा का किसी भी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मुख्य योगदान है। इस वर्ष विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस की थीम है– IP and the SDGs: Building are common future with innovation and creativity.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ0प्र0 द्वारा विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस पर बौद्धिक सम्पदा से सम्बन्धित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा0 भारत राज सिंह पूर्व प्रबन्ध निदेशक उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम आमंत्रित थे। इनके अतिरिक्त लखनऊ विश्वविद्यालय से डा0 अल्का मिश्रा प्रोफेसर डिपार्टमेन्ट आफ एस्ट्रोनामी भी आमंत्रित थीं। इस अवसर पर परिषद के आई0पी0आर0 डिवीजन की हेड डा0 पूजा यादव संयुक्त निदेशक द्वारा बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के सिद्धान्तों के बारे में जानकारी दी तथा यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित एस0डी0जी0 गोल्स को प्राप्त करने में बौद्धिक सम्पदा का क्या योगदान हो सकता है।

परिषद के निदेशक डा0 डी0के0 श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि परिषद द्वारा चिन्हित नव अन्वेषकों में से 02 अन्वेषकों को राष्ट्रीय स्तर पर विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर पेटेण्ट फाइलिंग में उत्तर प्रदेश का तीसरा स्थान है तथा ळमवहतंचीपबंस पदकपबंजपवदे में दूसरा स्थान है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा0 भारत राज सिंह पूर्व प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा भारत वर्ष में पेटेण्ट फाइलिंग में साल दर साल होने वाली वृद्धि एवं विदेशी पेटेण्ट फाइलिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा नवअन्वेषित हवा से चलने वाली बाइक के पेटेण्ट का भी प्रदर्शन किया गया। श्री संदीप यादव द्वारा WIPO तथा विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस के बारे में श्रोताओं को अवगत कराया। श्री राधेलाल संयुक्त निदेशक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ0प्र0 द्वारा कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

अंडरस्टैंडिंग लिम्फोमा डायग्नोसिस–लाइव माइक्रोस्कोपी सेशन पर कार्यशाला आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के पैथोलॉजी विभाग ने "अंडरस्टैंडिंग लिम्फोमा डायग्नोसिस– लाइव माइक्रोस्कोपी सेशन" पर एक कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला, यूपी हेमेटोलॉजी ग्रुप के प्रथम वार्षिक सम्मेलन के अर्न्तगत प्री–कॉन्फ्रेंस कार्यशाला के रूप में प्रो0 सीएम सिंह, निदेशक, डा राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के नेतृत्व में, प्रो0 प्रद्युम्न सिंह, डीन और प्रोफेसर पैथोलॉजी, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के संरक्षण में आयोजित की गयी । प्रो0 एसपी वर्मा विभागाध्यक्ष, क्लिनिकल हेमेटोलॉजी विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी एवं न्च्भ्ळब्छ–24 के ऑरगनाइजिंग सेक्रेटरी, इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि थे। यह कार्यशाला ऑरगनाइजिंग चेयरपर्सन, प्रो0 नुजहत हुसैन, विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी, डा राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ एवं ऑरगनाइजिंग सेक्रेटरी, प्रो0 नम्रता पुनीत अवस्थी, प्रोफेसर पैथोलॉजी विभाग, डा राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के देखरेख में सम्पन्न हुयी।

यह कार्यशाला एक दिन के लिए आयोजित की गई जिसमें लिम्फ नोड के ट्यूमर जिसको लिम्फोमा के रूप में जाना जाता है, की डायग्नोसिस के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बीमारी के कठिन और महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करने के लिए, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुम्बई से डा0 सुमीत गुजराल और ब्रिगेडियर तथागत चटर्जी, निदेशक एवं प्रोफेसर हेमेटोलॉजी ईएसआईसी, एमसीएच, फरीदाबाद, ने अपने व्याख्यान दिये एवं डेलिगेट के साथ एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ लाइव माइक्रोस्कोपी पर लिम्फोमा के विभिन्न केस दिखाये। प्रो0 प्रद्युम्न सिंह एंव प्रो0 नम्रता पुनीत अवस्थी, ने त्वचा में होने वाले सबसे कष्टकारी लिम्फोमा और दूसरे कैंसर से मिलते–जुलते लिम्फोमा की डायग्नोसिस में आने वाली परेशानियों पर चर्चा की।

कार्यशाला में पूरे उत्तर प्रदेश से पचास से अधिक डेलिगेट ने भाग लिया। यह कार्यशाला इंटरैक्टिव थी। सभी डेलिगेट के लिए लाइव माइक्रोस्कोपी द्वारा लिम्फोमा के केसस को देखने का अनुभव बड़ा अनूठा रहा। विशिष्ट अतिथि प्रो0 एसपी वर्मा ने डेलिगेट की जबरदस्त प्रतिक्रिया के साथ अनूठी कार्यशाला के लिए आयोजन टीम को बधाई दी।

भारत में आत्मनिर्भर तरीके से न्यूक्लियर साइंस एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में लहराता परचम - प्रोफेसर बीएन जगताप

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश में परमाणु ऊर्जा के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने ,इससे जुड़ी भ्रांतियां को दूर करने एवं विद्यार्थियों को परमाणु वैज्ञानिक बनने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी एंड (आई एन एस), मुंबई द्वारा , लखनऊ में पहली बार विद्यार्थियों के लिए देश के वरिष्ठ एवं विशिष्ट परमाणु वैज्ञानिकों के साथ संवाद स्थापित करने हेतु 26 अप्रैल 2024 को एल्डिको स्थित पायनियर मोंटेसरी स्कूल में एक विशेष जन– जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एन. पी. सी. आई. एल.) के निदेशक(टेक्निकल) श्री वी राजेश ने कहा कि " परमाणु ऊर्जा भविष्य की ऊर्जा है और इसमें अपार संभावनाएं हैं। इस से स्वच्छ, हरित, सुरक्षित एवं किफायती तरीके से बिजली का उत्पादन करके कार्बन का उत्सर्जन कम किया जा सकता है और वर्ष 2070 तक भारत द्वारा नेट– जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में इसका महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।ष् इसके बाद श्री अपने भाषण में आई एन एस के अध्यक्ष एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र(बी. ए.आर. सी.).मुंबई से सेवानिवृत देश के प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक डॉक्टर बी एन जगताप ने भारत में आत्मनिर्भर तरीके से न्यूक्लियर साइंस एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हो रही उत्तरोत्तर वृद्धि के बारे में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अवगत करवाया ।इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह से आई एन एस देशभर में लोगों को परमाणु ऊर्जा के महत्वपूर्ण आयाम के बारे में बताने एवं लोगों को इसके बारे में जागरूक एवं शिक्षित करने के उद्देश्य से इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है ।इस मौके पर बी. ए. आर. सी. , भारत सरकार के पूर्व विशिष्ट वैज्ञानिक डॉक्टर इंदिरा प्रियदर्शिनी विद्यार्थियों के साथ चर्चा करते हुए न्यूक्लियर साइंस एवं टेक्नोलॉजी एवं खास तौर पर रेडिएशन से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण विषयों जैसे एग्रीकल्चर, स्वास्थ्य ,जलवायु ,परिवर्तनों एवं खाद्यान्न प्रसंस्करण में इसकी उपयोगिता के बारे में चर्चा की इसके अलावा उन्होंने भविष्य में परमाणु ऊर्जा द्वारा लोगों के जीवन स्तर को और भी अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा किए जा रहे नए–नए अनुसंधानों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (ए. ई. आर. बी.) से आए हुए श्री सत्यवान बंसल द्वारा बताया गया कि किस तरह से एईआरबी भारत में परमाणु और विकिरण सुविधाओं के लिए लाइसेंस ६ अनुमतियां प्रदान करता है जिससे सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद

मिलती है।

इस अवसर पर परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत कार्यरत न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एन. पी. सी. आई. एल) से इस विद्यालय के पूर्व छात्र रहे उप– महाप्रबंधक (मीडिया), श्री अमृतेश श्रीवास्तव ने सभी आगंतुकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में आज विभिन्न स्थानों पर 24 न्यूक्लियर पावर प्लांट्स कार्यरत हैं जिनसे 8180 मेगावाट क्षमता पर शुद्ध, हरित, सुरक्षित एवं किफायती तरीके से बिजली का उत्पादन किया जा रहा है । उन्होंने बताया कि परमाणु ऊर्जा से बिजली उत्पादन की दिशा में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में कुछ दिन पूर्व 31 मार्च, 2024 को गुजरात राज्य में स्थित भारत के सबसे बड़े और विशालकाय स्वदेशी तकनीक पर आधारित काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना की 700 मेगावाट विद्युत क्षमता वाली प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिएक्टर अर्थात पी एच डब्लू आर प्रौद्योगिकी पर आधारित दूसरी स्वदेशी इकाई, केएपीपी–4 का पूरी क्षमता के साथ व्यावसायिक प्रचलन शुरू हो गया और भविष्य में और भी अधिक परमाणु रिएक्टरों के लगने से भारत में स्वच्छ और हरित तरीके से बिजली की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इसके अलावा उन्होंने एनपीसीआईएल के द्वारा बेहद सुरक्षित तरीके से संचालित सभी परमाणु बिजली घरों के ट्रैक रिकॉर्ड के बारे में भी चर्चा की । इस अवसर पर लगभग 800 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मुंबई से आए हुए परमाणु वैज्ञानिकों से परमाणु ऊर्जा की उपयोगिता एवं भविष्य में इसके योगदान पर जानकारी हासिल की । कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विद्यालय के प्रबंधक श्री बृजेंद्र सिंह एवं प्रधानाचार्या श्रीमती शर्मिला सिंह ने मुंबई से आए सभी अतिथियों का स्वागत किया और इस तरह के जागरूकता पूर्ण आयोजन को पायनियर मोंटेसरी स्कूल में करने हेतु धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर आईएनएस की तरफ से श्री ओ पी राय ने विद्यालय को सफलतापूर्वक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

हर रूप में पूज्यनीय है भगवान श्री कृष्ण जी महराज – व्यास प्रभाकर जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राम सिंगार शुक्ल गदेला के यहां चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास श्री प्रभाकर जी महराज ने कृष्ण लीला का वर्णन करते हुए कहा भगवान श्री कृष्णा को भक्तों ने जिस रूप में देखा वह उसी रूप में उसे दर्शन दिए और कल्याण किया श्री कृष्ण को चाहे मित्र के रूप में ले लीजिए

चाहे भगवान के रूप में ले लीजिए हर रूप में हर जगह वह उपस्थित मिलते हैं मित्र के रूप में सुदामा जी महराज जब उनके महल पहुंचते हैं तो भगवान उनके स्वागत में नंगे पांव दौड़ जाते हैं और मित्र धर्म का निर्वाह करते हुए उनका स्वागत करते हैं श्री महराज ने आगे कहा आज सत्य और सनातन संतो के बल पर कायम है और विस्तारित भी हो रहा है सनातन हमें जहां ज्ञान देता है वही ध्यान और विज्ञान का भी बोध कराता है, सनातन सबको अपने में समाहित करके चलता है कभी किसी के प्रति भेदभाव नहीं रखता व्यास पीठ से बोलते हुए श्री महराज ने जल अग्नि धरती आकाश और वायु की परिभाषा को परिभाषित करते हुए कहा कि यही हमारे जीवन के निर्माण करने वाले हैं पालन करने वाले हैं और अंत में अपने में समाहित कर लेते हैं आज आदमी वैभव और विलासिता के वशीभूत होकर धन अर्जित करने में व्यस्त है धन के बल पर मानव में अहम आ गया है लेकिन अहम को त्याग कर हम क्या है पहचानिए तभी कल्याण होगा अन्यथा कल्याण होने वाला नहीं है जब व्यक्ति का निधन होता है उस समय व्यक्ति धनहीन हो जाता है लेकिन वह परोपकार में दान में और भगवान में विश्वास रखता है तो जीवन में और जीवन के बाद भी उसका गुणगान होता है और वह अपने कार्यो से समाज में बखाना जाता है महराज जी ने आगे कहा मानव को अपने कार्यों को संपादित करते हुए भगवान की आराधना भी करते रहना चाहिए इससे जीव का कल्याण होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है ईश्वर की आराधना कभी व्यर्थ नहीं जाती ईश्वर अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करता पर्यावरण की चर्चा करते हुए उन्होंने वृक्षों के कटान पर चर्चा करते हुए कहां एक वृक्ष 100 पुत्र के समान होता है वह परोपकार के लिए जीता है और जीवन भर परोपकार करता रहता है लेकिन हम अपनी सुविधा भोगी जीवन में उसको काट कर अपने लिए स्वयं संकट खड़ा कर रहे हैं, वृक्ष से बड़ा परजीवी धरा पर कौन है जो आपको प्राण वायु देने से लेकर फल तक देता है बदले में आप उसे काट देते हैं आज पर्यावरण बचाने की बात चल रही है मैं आप सभी कथा प्रेमियों से एक ही निवेदन करता हूं आप वृक्षों की रक्षा के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण की रक्षा में सहयोगी बने श्री व्यास जी ने कथा की अंतिम दिन सभी को सत्य अपना कर सत्य के मार्ग पर चलने का आग्रह करते हुए कहा आप सभी मानव धर्म के रास्ते पर चलकर अपने जीवन को सार्थक करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने में सहयोग करें। इस अवसर पर कृष्ण सुदामा झांकी देख कर उपस्थित समुदाय भाव विभोर हो गया तथा व्यास पीठ से गाई गई बरसाने की होली गीत पर कथा स्थल पर उपस्थित लोगों ने जमकर ठुमके लगाए, श्रीमद् भागवत कथा समापन दिवस पर जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, शिक्षाविद समाजसेवी लालचंद यादव, कृष्ण कुमार मिश्र, दुर्गेश तिवारी, मनोज पांडे, राम अधार यादव, जोखू यादव, जयप्रकाश गौतम, दिलीप शुक्ला सहित क्षेत्र के तमाम संभ्रांत नागरिक और पत्रकार बंधु उपस्थित रहे अंत में श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम की आयोजन करने वाले वाराणसी से प्रकाशित एक दैनिक के संपादक प्रकाश चंद्र शुक्ला ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षा, मूली, मक्का एवं मित्रता की मिसाल है जौनपुर – प्रो पातंजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ प्रेमचंद पतंजलि ने बीटीसी एवं बी.एड कर रहे प्रशिक्षुओं को कुछ अहम विषयों पर सुझाव एवं आगे बढ़ाने के गुणों से अवगत कराया। पूर्व कुलपति ने कहा कि समाज को सुधारने में शिक्षक का अहम रोल होता है। आज के वर्तमान समय में शिक्षक कौशल क्रियाओं के द्वारा बच्चों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करते हैं जिनसे बच्चों में शिक्षा प्राप्त करने की ललक पैदा हो रही है। समाज का सबसे प्रतिष्ठित पद शिक्षक का होता है शिक्षक को हमेशा इस संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए कि शिक्षार्थी का भविष्य किन्हीं कारण से बाधित न हो और उसके भविष्य में किसी तरह की कोई समस्या उत्पन्न हो एवंम छात्रों को जातिगत एवं किसी धर्म सूचक शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए सभी विषयों के पाठ्यक्रम में हमेशा उन्हें शब्दों का प्रयोग किया जाता है जिससे शिक्षार्थी का भविष्य उज्जवल हो। उन्होंने कहा कि जौनपुर हमेशा से शिक्षा मूली मक्का मित्रता की मिसाल पूरे देश में रखता है। प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने पूर्व कुलपति का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर डीएलएड प्रभारी आर.पी सिंह, डॉ प्रज्वलित यादव डॉ गुलाब मौर्या, डॉ संतोष यादव अहमदाबाद खान, तकरीम फातिमा, डॉ अलमीन परवीन अन्य छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।

मेधावी छात्र–छात्राओं का किया गया सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्थानीय राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज के प्रबंधक की अध्यक्षता में कॉलेज की सभागार में एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें वर्ष 2024 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रबंधक डा सत्य राम प्रजापति ने सभी छात्र छात्राओं को और अधिक परिश्रम करके जिले और प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया ।

इंटरमीडिएट में खुशी कन्नौजिया ने 89: अंक प्राप्त करके विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया विज्ञान वर्ग में खुशबू मौर्य ने 80 प्रतिशत मनीष कुमार 77: और शिवम पाल ने 75: अंक प्राप्त किया। वाणिज्य वर्ग में पायल राय 75: अंक प्राप्त किया तथा इन्नमा फातिमा ने 71: अंक प्राप्त किया। मानविकी वर्ग में ज्योति मौर्य ने 73: तथा श्रुति बिंद ने 71: अंक प्राप्त किया। हाई स्कूल में मंतशा

बानो ने 85: अंक प्राप्त करके सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया नितेश यादव ने 82: नेहा शर्मा ने 80: तनीषा बिंद ने 80: तथा कृति मोदनवाल ने 80: प्राप्त किया। विद्यालय के उप प्रबंधक जियाराम यादव जी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना किया विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय चौबे ने मेधावी छात्रों का उत्साह वर्धन किया। सम्मान समारोह में प्रेमचंद, अशोक तिवारी ,डॉक्टर रमेश चंद्र ,डॉक्टर बृजेश सिंह, राघवेंद्र सिंह ,पवन कुमार साहू, डॉक्टर नागेंद्र प्रसाद यादव, संतलाल, राम प्रताप, बृजभूषण यादव, आनंद तिवारी, संजय सिंह, राजकुमार, गीतम सिंह ऋषिकेश्वर गौतम ,विकास कुमार, पूजा सिंह, श्रवण पांडे ,प्रदीप कुमार यादव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विश्वनाथ यादव ने किया।

अखिल भारतीय ब्रह्म समाज का 22 वां सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार धूमधाम से सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अलीगंज हनुमान जी मंदिर निकट कपूरथला चौराहा, लखनऊ में अखिल भारतीय ब्रहम समाज का 22 वां सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार धूमधाम से सम्पन्न

हुआ। काशी, चित्रकूट एवं नैमिषारण्य के विद्वान आचार्यों द्वारा 98 बटुकों का जनेऊ संस्कार कराया गया जिसमें अवध क्षेत्र के कई जिलों के हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। बरूआ खिलाने से प्रातः 8 बजे शुरू हुआ संस्कार, मुण्डन, यज्ञ, वेदी पूजा, भिक्षा कार्यक्रम और बैण्ड बाजे के साथ काशी पढ़ने के बाद मामाजी के द्वारा मनाये जाने के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न ब्राह्मण संगठनो के प्रतिनिधियों सहित अखिल भारतीय ब्रहम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी0पी0 अवस्थी, कार्यवाहक अध्यक्ष कोमल द्विवेदी, महामंत्री देवेन्द्र शुक्ला, कोषाध्यक्ष प्रेम कुमार मिश्र, उपाध्यक्ष दया शंकर पाण्डेय, राम कुमार चौबे, उपमहामंत्री राम कृष्ण त्रिपाठी, संजीव गिरी, गिरिजा शंकर त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी अर्जुन द्विवेदी, हरिश्चंद्र तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष विजय त्रिपाठी, गिरिजा शंकर त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी अर्जुन द्विवेदी, हरिश्चंद्र तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष विजय त्रिपाठी, महासचिव कौशिक बनर्जी, कोषाध्यक्ष गोविन्द मिश्र, धारा नाथ मिश्र, लखनऊ जनपद अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ल, सचिव शैलेन्द्र शुक्ल, कार्यवाहक सचिव रमा शंकर बाजपेयी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से वाराणसी – लखनऊ इंटरसिटी में तथा कथित संदिग्ध टीटीई बन रेलवे विभाग को आए दिन लगा रहे चूना – जनहित में जांच करा कर कार्यवाही जरूरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रेलवे के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से वाराणसी –लखनऊ इंटरसिटी में तथा कथित संदिग्ध टीटीई आए दिन यात्रियों से अभद्रता करके अवैध वसूली करते हैं और प्रतापगढ़ में या आगे जहा मौका मिलता है, अवैध वसूली कर उतर जाते हैं। ऐसा ही एक मामला दिनाक 23 अप्रैल 2024 की है, जब तथा कथित संदिग्ध टीटीई ने प्रतापगढ़ तक यात्रियों से खूब अवैध और जबरन वसूली की तथा वैध यात्रियों से अभद्रता भी किया, अन्त में प्रतापगढ़ जंक्शन पर ट्रेन से उतरने लगा तो यात्रियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो भाग खड़ा हुआ और प्रतापगढ़ स्टेशन पर उतर गया। लोगों ने बताया कि इस तरह के संदिग्ध टीटीई यात्रियों से अक्सर अभद्रता करते हैं। फर्जी बुक हाथ में रखते हैं और अनाप–शनाप वसूली

करते हैं, और अन्त में जहा मौका पाते हैं वही उतर जाते है, इसकी जॉच होनी चाहिए कि इस तरह विभाग को चूना लगा रहे लोगों को किसका संरक्षण प्राप्त है, जो अवैध वसूली के साथ यात्रियों से अभद्रता भी करते है, और जनहित में कठोर कार्यवाही भी की जानी चाहिए

बीएसए डाक्टर गोरखनाथ पटेल ने मोबाइल पर मिली शिकायत पर विद्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दूरभाष पर प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल द्वारा शुक्रवार को विकासखंड धर्मापुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय पिलखिनी का औचक निरीक्षण किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निरीक्षण में विद्यालय में कार्यरत समस्त शैक्षणिक कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित पाए गए। विद्यालय को प्राप्त कंपोजिट धनराशि कुल 50000 के सापेक्ष आय–व्यय पंजिका गत शैक्षिक सत्र 2023–24 से अद्यतन नहीं पाई गई। विद्यालय में कुल नामांकित 99 छात्रों के सापेक्ष भौतिक रूप से विद्यालय में सिर्फ 35 छात्र उपस्थित पाए गए। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार गुप्ता द्वारा विद्यालय के छात्रों की अनुपस्थिति को छात्र उपस्थिति पंजिका पर दर्ज नहीं किया गया था। विद्यालय द्वारा मध्यान्ह भोजन पंजिका में गत तीन कार्य दिवसों में छात्रों के लाभार्थी संख्या क्रमशः 67, 72, 72 दर्ज की गई पाई गई। गत 03 कार्य दिवसों में दर्ज छात्र संख्या के सापेक्ष निरीक्षण तिथि को उपस्थित छात्र संख्या अत्यंत न्यून पाया जाना, संबंधित विद्यालय द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना का दुरुपयोग किया जाना, प्रथम दृष्टया दृष्टिगत होता है। विद्यालय में छात्रों हेतु खेलकूद सामग्री का अभाव विद्यालय में पाया गया। विद्यालय में प्राप्त उपरोक्त गंभीर कमियों के कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक को कड़ा स्पष्टिकरण जारी करते हुये निर्देशित किया कि क्यों न विभागीय कार्यवाही किया जाये इसका जवाब दें, तत्पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय पिलखिनी का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कार्यरत समस्त शैक्षणिक कर्मचारी विद्यालय पर उपस्थित पाए गए। विद्यालय में नामांकित कुल 97 छात्रों के सापेक्ष कुल 40 छात्र भौतिक रूप से विद्यालय पर उपस्थित पाए गए।

विद्यालय को प्राप्त कंपोजिट धनराशि कुल 50000 के सापेक्ष आय–व्यय पंजिका प्रधानाध्यापक द्वारा उपलब्ध न कराए जाने पर बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक के विरुद्ध कठोर स्पष्टीकरण जारी किया गया कि क्यों न विभागीय कार्यवाही की जाये, इसका जवाब दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हम चुनाव मैदान में हैं - जय प्रकाश

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की मौजूदगी में संपन्न एनडीए की बैठक में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अपना दल, निषाद पार्टी एवं राष्ट्रीय लोक दल ने हिस्सा लेकर दावा किया कि विपक्ष के सामने पहचान और प्रासंगिकता का संकट है। सभी गठबंधन दलों के जिलाध

यक्षों ने प्रस्ताव पास कर कहा, ष्आज, विपक्ष भ्रमित और भटका हुआ है। विकास पुरुष नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में जनता के दिलों पर राज कर रहे हैं, उन्हें करोड़ों भारतीयों का अटूट विश्वास हासिल है और 2019 से आगे बढ़ते हुए जनता 400 पार का आशीर्वाद देने जा रही है। बैठक में सदर सांसद जय प्रकाश की मौजूदगी में एनडीए घटक दल सुभासपा के जिलाध्यक्ष धर्म सिंह अर्कवंशी, अपना दल के राजेंद्र गौतम, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज कश्यप, आरएलडी के जिलाध्यक्ष महेश सिंह सोमवंशी ने लोकसभा चुनाव को रिकॉर्ड मतों से जीतने की रणनीति पर चर्चा की, साथ ही आगामी कार्यक्रमों में समन्वय स्थापित कर पार्टी के पक्ष में मजबूती से खड़े होकर प्रत्याशी को जिताने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने बैठक में घटक दलों का स्वागत करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन 26 वर्ष पुराना परिवार है और परिवार ने संघर्ष करते हुए सदैव देश और सर्व समाज की एकता और विकास को सर्वप्रथम रखा है। विगत दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व विकास की बयार को देखा है। जिलाध्यक्ष ने विपक्ष की भ्रमित और जात पात की राजनीति पर वार करते हुए कहा कि एनडीए की सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति पर अंकुश लग गया। जिससे विपक्ष बौखलाया हुआ है। एनडीए परिवार का एक एक कार्यकर्ता सम्माननीय है, उन्हीं के परिश्रम पर कल्याणकारी योजनाएं जन जन तक पहुंची।

बैठक में सांसद जय प्रकाश ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, उन्होंने कहा कि यह सिर्फ तीसरी बार सरकार बनाने की महत्वाकांक्षा नहीं है। हम तीसरे कार्यकाल के दौरान देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। सरकार बनाना हमारे लिए अंतिम लक्ष्य नहीं है. यह हमारे लिए राष्ट्र निर्माण का एक माध्यम है।

बैठक का संचालन भाजपा जिला महामंत्री ओम वर्मा ने किया। इस अवसर पर मिश्रिख लोस संयोजक अशोक सिंह, हरदोई लोकसभा संयोजक प्रीतेश दीक्षित, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता, सत्यम शुक्ला, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश सचिव राममूर्ति अर्कवंशी, संजीव यादव, पुनीत अर्कवंशी, राजीव अर्कवंशी, अपना दल के प्रदेश सचिव रवि वर्मा, सुनील वर्मा, निषाद पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कश्यप, आरएलडी के प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह, प्रदेश सचिव रामदास दीक्षित उपस्थित रहे।

'राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम घोषित'

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डायट प्राचार्यध्उप शिक्षा निदेशक डॉ0 विनोद कुमार शर्मा के निर्देशन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2024–25 में जनपद जौनपुर में 352 छात्रों ने सफलता हासिल किया।

इस परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को प्रतिमाह रू 1000 की दर से 01 वर्ष में रुपया 12000 तथा 4 साल (नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक) कुल 48000 रुपया प्राप्त होगा। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की मदद के लिए राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति शुरू की गई थी। इसके लिए आठवीं में पढ़ने वाले जनपद जौनपुर से 5586 बच्चों ने आवेदन किए थे। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 23 अगस्त 2023 से शुरू हुई और 28 सितंबर तक आवेदन लिए गए थे। पांच नवंबर को प्रदेश स्तर पर परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा में 5586 बच्चे शामिल हुए थे। जनपद के लिए कुल आवंटित छात्रवृत्ति 358 है। जिसमें कुल 352 छात्रों ने सफलता प्राप्त किया। अनुसूचित जनजाति के छात्र न होने के कारण 6 छात्रवृत्ति नहीं मिल सकी। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुइथाकला से 12 छात्र, कंपोजिट स्कूल मयंदीपुर 11 छात्र, कंपोजिट स्कूल डीह अशरफाबाद 11 छात्र, उच्च प्राथमिक विद्यालय पवारा 11 छात्र, कंपोजिट स्कूल दुधौडा, उच्च प्राथमिक विद्यालय अशोकपुर कला एवं कंपोजिट विद्यालय भन्नौर से 6–6 छात्र, कंपोजिट स्कूल मिर्जापुर कौरहा से पांच छात्रों ने सफलता प्राप्त किया। राष्ट्रीय आय योग्यता आधारित छात्र परीक्षा में समस्त सफल छात्रों उनके शिक्षकों को जनपद नोडल शिक्षक डॉ0 ओमप्रकाश गुप्त एवं दुष्यंत मिश्र ने बधाई प्रेषित किया है।

राजस्व विभाग के अधिकारियों ने किया लोक सभा सामान्य निर्वाचन के बूथों का निरीक्षण'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली (हरदोई)' तहसील सवायजपुर के अधिकारियों ने लोकसभा समान्य निर्वाचन 2024 के सभी क्षेत्रीय बूथों का निरीक्षण किया। शुक्रवार को नायाब तहसीलदार एजाज अहमद व नायब तहसीलदार आभा चौधरी ने नगर के बूथों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया। इस दौरान कानूनगो विजय कुमार मौर्य मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उन्होंने सुविधाओं को दुरुस्त कराने और बूथों पर आने–जाने वाले रास्ते को ठीक कराने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या न आये तथा चुनाव से पहले सभी बूथों की सुविधाएं दुरुस्त रहें। साथ ही उन्होंने बूथों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया।

हरदोई सीट पर मुद्दे गायब रहे और मतदाता जातिवाद की लहरों में बहकर सांसद चुनते रहे

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना)

भाजपा ने हरदोई से छःबार सांसद रहे जय प्रकाश को फिर मैदान में उतारा है तो सपा ने तीन बार सांसद और मंत्री तक रहीं ऊषा वर्मा को फिर उम्मीदवार बनाया। बसपा के पास कोई स्थानीय मजबूत चेहरा नहीं था तो उन्होंने इटावा से भीमराम अंबेडकर को भेजा। चेहरों के इस चुनाव में सभी उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा दांव पर है।चुनाव कोई भी रहा हो, मुद्दे दूर ही रहे और मतदाता जातिवाद की लहरों में बहकर चेहरों को चुनते रहे। भाजपा की जीत होती तो जय प्रकाश सातवीं बार सांसद होंगे। सपा के जीतने पर ऊषा वर्मा चौथी बार सांसद बनने वाली एक मात्र महिला होंगी। अगर बसपा की जीत होती है तो एम एल सी भीमराव अंबेडकर पहली बार सांसद होंगे। हरदोई की राजनीतिक तस्वीर पर हिंदुस्थान समाचार की पड़ताल कुछ इस तरह है।लोकसभा चुनाव का माहौल क्या है? इस पर उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष नलिन गुप्ता कहते हैं कि यहां पर चुनाव कभी मुद्दों पर नहीं हुआ। जब विकास दूर था तो भी इस पर बात नहीं होती थी और अब विकास खूब हो चुका, तो भी कोई बात नहीं करता। रही बात चुनाव की तो नेता भले ही जाति का जाल बिछा रहे, लेकिन यह देश के मान और सम्मान का चुनाव है। तारा गांव के विनय बाजपेयी बताते हैं कि अगर मोदी में कोई दम नहीं है तो उनसे सब दल मिलकर क्यों लड़ रहे हैं? पूर्ण कुमार गुप्ता कहते हैं कि पता नहीं क्या बात है कि जो भी आता है एक बार मोदी का नाम जरूर लेता है।बसपा नेता मेवालाल वर्मा बोले कि बहन मायावतीजी ने जो किया वह कौन कर सका? शिक्षिका वंदना सिंह बोलीं, कि योगी मोदी सरकार में गुंडाराज, माफियाराज खत्म हुआ।महिलाओं को जरा सा भी डर नहीं लग रहा। ऐसा कभी हुआ।अन्य सरकारों और विपक्षी नेताओं ने किया तो कुछ नहीं, बस चुनाव में जाति जोड़ते घूम रहे हैं।मान नगला के प्रधान अनुज सिंह मोदी को दमदार पीएम बता रहे थे। बोले, जानवरों ने फसल को बहुत नुकसान पहुंचाया, लेकिन गाय पालने के बाद कुछ जिम्मेदारी हमारी भी है। योगेंद्र यादव

पीडीए की बात करते हुए कहते हैं कि इसके बारे में जो बोलता है, वही हमारा है। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा और बसपा के बीच गठबंधन प्रत्याशी ऊषा वर्मा ने चार लाख 35 हजार 669 मत हासिल किए थे। इस बार बसपा अलग से चुनाव लड़ रही है और सपा का गठबंधन कांग्रेस से है। जबकि पहले ही तरह भाजपा इस बार भी अपनी दम पर चुनाव मैदान में है। भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश रावत 1991 और 1996 में भाजपा से चुनाव जीते थे तो 1999 में लोकतांत्रिक कांग्रेस से भी विजय श्री हासिल कर 2019 में भाजपा से फिर सांसद बने। दो बार वह राज्य सभा के भी सदस्य चुने गए।इस तरह वह छः बार सांसद बने। सपा उम्मीदवार ऊषा वर्मा 1998 में पहली बार सांसद बनीं फिर 2004 और 2009 में जीतीं, जिसके बाद 2014 में तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। 2019 में बसपा का साथ होने के बाद भी करीब एक लाख 32 हजार मतों से भाजपा से पराजित हुईं। सपा से पारिवारिक रिश्तों से वर्ष 2022 में उन्होंने सांडी विधान सभा से भी चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। तीन बार लोक सभा और विधान सभा चुनाव हारने के बाद 2024 का चुनाव उनके लिए प्रतिष्ठा का विषय है। बसपा के लिए तो यह सीट हमेशा प्रतिष्ठा की रही। हरदोई में कोई चेहरा न देखकर इटावा से एमएलसी भीमराव अंबेडकर को उम्मीदवार बनाया है। अब पार्टी की जीत होती तो पहली बार सांसद बनने का रिकार्ड होगा, लेकिन सफल न होने पर बसपा अपनी परंपरा नहीं तोड़ पाएगी। अब मतदाता किस चेहरा और दल पर भरोसा करते हैं यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा, फिलहाल सभी राजनीतिक दल अपनी दम लगाए हुए हैं। भाजपा प्रत्याशी सांसद जय प्रकाश और सपा प्रत्याशी पूर्व सांसद ऊषा वर्मा के बीच 1998, 1999, 2019 में चुनाव हो चुका है। दोनों प्रत्याशियों की अपनी जाति और दल में पकड़ है। हां, बसपा प्रत्याशी भीमराव अंबेडकर जरूर नए हैं। यहां पर पिछले चुनाव में बसपा का प्रत्याशी नहीं लड़ा था और गठबंधन से सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा थीं। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा के जय प्रकाश रावत 568143 मत प्राप्त कर विजयी रहे। सपा की ऊषा वर्मा 435669 मत पाकर दूसरे स्थान पर रहीं। इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार सपा और भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट कटवा साबित हो सकता है।

विषम परिस्थितियों में देश की सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं स्काउट –डा. अजेय प्रताप सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्काउट गाइड के विशेष परिचयात्मक पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह शुक्रवार को बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ

पंकज सिंह के नेतृत्व में शिविर का आयोजन किया गया ।मुख्य अतिथि श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के प्रधानाचार्य डॉ. अजेय प्रताप सिंह रहे।मुख्य अतिथि ने टेंट,भोजन,अनुशासन आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उन्होंने शिविरार्थियों से कैंप और उससे संबंधित बातों की जानकारी प्राप्त की। मुख्य अतिथि ने कहा कि स्काउट देश की विषम परिस्थितियों में सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि स्काउट प्रकृति और मनुष्य के बीच सामंजस्य और समन्वय स्थापित करता है। उन्होंने बताया कि स्काउट मनुष्य को प्रकृति और ईश्वर से प्रेम करना सिखाता है। हर परिस्थिति में राष्ट्र के नागरिकों को देश के प्रति उनके उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए तैयार करता है। कार्यक्रम के उपरांत शिविर के दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में बीएड के विभागाध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने कहा कि स्काउटिंग ईश्वर और देश की सेवा है। भारतीय शिक्षा पद्धति में दीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। दीक्षा मानव जीवन को परिष्कृत और परिमार्जित करती है। देश सेवा के लिए नागरिकों को तैयार करती है। बीएड के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ लालमणि प्रजापति ने कहा कि स्काउट से प्रशिक्षण लेने के उपरांत उनमें राष्ट्र सेवा का मार्ग प्रशस्त होता है। प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रशिक्षित होकर स्काउट अपनी अहम भूमिका निभाता है। जिला प्रशिक्षण आयुक्त राम बख्श सिंह ने शिविर का संचालन किया। सहायक प्रशिक्षक अंबुज सिंह,प्रो.अरविंद कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ लक्ष्मण सिंह, डॉ नील मणि सिंह, डॉ अविनाश वर्मा,सत्य प्रकाश सिंह, बिंद प्रताप सिंह कार्यालय अधीक्षक, जितेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार, अखिलेश सिंह राजेश सिंह ,राहुल सिंह आदि उपस्थित रहे।

बच्चे इस देश का भविष्य हैं तथा उन्हें विज्ञान में होने वाली खोज, प्रचलन तथा आधनिक तकनीकों की जानकारी होनी चाहिये

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ0प्र0 द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय डी0एन0ऐ0 दिवस के रूप में मनाया गया। वर्ष 1953 में वॉट्सन, क्रिक, विल्किन्स, फ्रांलिन, आदि ने 25 अप्रैल को डी0एन0ऐ0 की संरचना के विषय पर नेचर पत्रिका में लेख प्रकाशित किया था तथा वर्ष 2003 में आज ही के दिन ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट पूर्ण हुआ था। अतः उक्त दोनो उपलब्धियों के स्मरण में परिषद द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय डी0एन0ऐ0 दिवस मनाया गया। डी0एन0ऐ0 दिवस इस उद्देश्य से आयोजित किया गया ताकि विज्ञान के छात्रों में विज्ञान के प्रति रूचि जागरित किया जाये एवं उनके द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया जा सका। अन्तर्राष्ट्रीय डी0एन0ऐ0 दिवस का लक्ष्य छात्रों, शिक्षकों और आम जनमानस को जीनोकमक्स के क्षेत्र में शोध में नवीनतम प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराने का अवसर प्रदान करता है एवं इन प्रगति से किस प्रकार उनके जीवन पर प्रभाव डाल सकता है।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों एवं कालेजों के छात्रों एवं उनके शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्रों को डी0एन0ऐ0 के सम्बन्ध में जागरूकता देने हेतु वरिष्ठ वैज्ञानिको द्वारा व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में शिव प्रसाद, सचिवए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 ने कहा कि बच्चे इस देश का भविष्य हैं तथा उन्हें विज्ञान में होने वाली खोज, प्रचलन तथा आधनिक तकनीकों की जानकारी होनी चाहिये ताकि वे उसके क्रियांवयन कर के देश का विकास किया जा सकता में डी0एन0ऐ0 की उपयोगिता को समझाया। डा. समीर सावंत ने डी0एन0ऐ0 की खोज एवं स्टरक्चर पर प्रकाश डाला। डा0 डी.के. श्रीवास्तव, निदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उ0प्र0 द्वारा जैव प्रौद्योगिकी पर प्रकाश डालते हुए डी0एन0ऐ0 के विभिन्न प्रयोग, उपयोग एवं उपचार के विषय में व्याख्यान दिया गया। डा0 हुमा

है। डी0एन0ऐ0 दिवस के अवसर पर बोलते हुए प्रो0 फरजाना मांहदी, हेड, पर्सनालाइजड मेडिसन, इरा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने पर्सनालाइजड मेडिसन को बनाने मुस्तफा, संयुक्त निदेशक, ने अतिथियों का स्वागत करते हुए डी0एन0ऐ0 डे की उपयोगिता के संबंध में बताया। श्रीमती पूजा यादव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।

कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव में कुल 44 छात्रों का चयन हुआ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आर0 आर0 ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, बख्शी का तालाब, लखनऊ में जेबीएम ग्रुप द्वारा मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के छात्रों के लिए कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव का आयोजन किया गया। जेबीएम ग्रुप की तरफ से आये हुए शीशराम निदरवाल (एचआर, जेबीएम) ने छात्रों को संबोधित किया। इस कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव में कुल 44 छात्रों का चयन हुआ। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन, सचिव, निदेशक, डीन एकैडमिक, डीन प्लेसमेन्ट, डीन छात्र कल्याण तथा प्लेसमेन्ट हेड ने छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रोजा मंडी में बनाये गये स्ट्रांग रूम,मतगणना हाल का डीईओ ने संबंधित के साथ निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'शाहजहांपुर' लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह के साथ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए बनाये गये सामान्य प्रेक्षक बाबूलाल गोयल, पुलिस प्रेक्षक राजीव रंजन एवं व्यय प्रेक्षक अंबालाल नायक ने रोजा मंडी समिति में बनाये गये स्ट्रांग रूम, मतगणना हॉल का निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रेक्षकगणों ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन एवं ददरौल विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन हेतु बनाये गये स्ट्रॉग रूम एवं मतगणना हॉल की गहनतापूर्ण निरीक्षण किया। प्रेक्षकगणों ने निरीक्षण के दौरान स्ट्रांग रूम, बैरिकेडिंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई, सुरक्षा सहित आदि यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं को चेक करते हुये निर्देश दिये कि स्ट्रॉग रूम एवं मतगणना हॉल से निर्धारित दूरी पर टॉवर स्थापित कर निरंतर निगरानी की जाये। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी

कक्ष को भी देखा तथा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सीसीटीवी सुचारू रूप से निरंतर संचालित रहें। स्ट्रॉग रूम एवं मतगणना सहित संपूर्ण परिसर में अग्नि सुरक्षा का प्रबन्ध करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये। सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष स्थिति हेतु उन्होंने सभी कक्षों के टीन शेड में छेदों की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्वाचन को सकुशल रूप से संपन्न कराया जायेगा। जनपद में 13 मई को मतदान एवं 4 जून को मतगणना होगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

शादी समारोह से लौट रही महिला को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म

प्रतापगढ़, संवाददाता। वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रही महिला को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म व जेवरात लूटने वालों की तलाश में पुलिस लगातार हाथ– पैर चला रही है। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिससे कुछ सुराग पुलिस के हाथ लगे हैं। कोहड़ौर की रहने वाली विवाहिता अपने परिवार के साथ मंगलवार की रात कंधई थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के घर आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। रिश्तेदारों से उसके पति की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद दंपती घर जाने के लिए रात करीब एक बजे निकले। रास्ते में रुककर वाहन का इंतजार कर रहे थे। तभी एक बोलेरो से पहुंचे तीन लोगों ने पति को धमकाकर भगा दिया। महिला को अगवा कर जेवरात लूटे और कोहड़ौर थाना क्षेत्र के एक जंगल में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। शिकायत पर सक्रिय हुई दो थानों की पुलिस को वह भोर में मिली। उसकी तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मेडिकल कराया। कंधई थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल से लेकर कोहड़ौर तक बोलेरो की जांच की जा रही है।

देर से पहुंचे तीन डाक्टर, बगैर ड्रेस पांच कर्मियों को लगी फटकार

देवरिया, संवाददाता। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों की उपस्थिति जांचने के लिए बुधवार को सीएमएस और प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक ने औचक निरीक्षण किया। इसमें तीन डॉक्टर देरी से पहुंचे, जबकि बिना ड्रेस में मिले पांच एमपीडब्लू (मल्टी परपज वर्कर) को फटकार लगाई। साथ ही स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के समय से न आने से मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। वहीं एमपीडब्लू के बिना ड्रेस में होने से मरीजों और तीमारदारों को पहचानने में दिक्कत होती है। इस तरह की शिकायत मिल रही थी। सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा और प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजीत पाल ने बुधवार सुबह अस्पताल की ओपीडी और वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, प्रीवेंटिव मेडिसिन व मानसिक रोग विभाग में डॉक्टर देर से पहुंचे। सीएमएस ने उनसे विलंब से आने के बारे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

मासूम कृष्णा की हत्या का राज खुला

बस्ती, संवाददाता। पांच महीने के बेटे को उसकी मां ने ही पानी की टंकी में डालकर मार डाला था। पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपी मां पिंकी ने हत्या का जुर्म स्वीकार किया है। बताया कि उसके ऊपर अदृश्य भयावह शक्ति का साया है। उसी ने वश में करके ऐसा करा दिया। हालांकि पुलिस का मानना है कि मानसिक असंतुलन की वजह से उसने अपने बेटे को पानी की टंकी में डाला होगा। सीओ हर्रैया अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपी पिंकी के गुनाह कबूल कर लेने के बाद उसको गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पिंकी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कभी–कभी उसके शरीर में काली जी प्रवेश कर जाती हैं। जिसके बाद अपने ऊपर उसका वश नहीं रह जाता। पुलिस की छानबीन में यह पता चला कि घटना के समय 15 माह के कृष्णा और उसकी मां पिंकी ही घर पर मौजूद थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।